Report and Accounts (1990-91) of the Overseas Construction Council of India, Bombay and related papers

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): Madam, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:

(i) Annual Report and Accounts of the Overseas Construction Council of India, Bombay, for the year 1990-91, together with the Auditors' Report on the Accounts.

(ii) Review by Government on the working of the above Council.

(iii) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) above. [Placed in Library *See* No. LT-1747 / 92]

Memorandum of Understanding (1991-92) between Government of India (Ministry of Communications—Department of Telecommunications) and the Indian Telephone Industries Limited and the Hindustan Teleprinter Limited

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU): Madam, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:

(i) Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of Communications—Department of Telecommunications) and the Indian Telephone Industries Limited for the year 1991-92. [Placed in Library *See* No. LT-1659 / 92]

(ii) Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of communications—Departnemt of Telecommunications) and the Hindustan Teleprinters Limited for the year 1991-92. [Placed in Library *See* No. LT-1660 / 92]

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that the following letter has been received from Shri A. Nallasivan stating that he has been hospitalised due to cardiac problem. He has therefore requested for grant of leave for absence from the sittings of the House during the current Session.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri A. Nallasivan for remaining absent from all meetings of the House during the current Session?

(No. hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

RE: MURDER OF AN M.L.A. AND BREAKDOWN OF LAW AND ORDER IN BIHAR

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): महोदया, बिहार में जो लालू का आतंक है, एक तरफ वे विधानसभा में हमारे सदस्यों को, विपक्ष के सदस्यों को निष्कासित कर रहे हैं और दूसरी तरफ हमारे एम०एल०ए० को गोलियों का निशाना बना रहे हैं...**(व्यवधान)**

महोदया, पिछले शनिवार को गरौल ब्लाक में वहां के सर्किल अफसर राजेन्द्र महतो ने वहां के लोकल एम०एल०ए० हेमंत साही के घर पर जाकर उनको रिक्वैस्ट की कि वह अगर उनके दफ्तर में चार बजे आ जाएं तो वह एक मीटिंग में सम्मिलित होकर कुछ फैसला कर दें। जब चार बजे हेमंत साही गुरौल ब्लाक के सर्किल अफसर के दफ्तर में पहुंचे तो वहां पर पहले से ही उस इलाके के नामी गुंडे लोग बंदूक लेकर, पिस्तौल लेकर, बम लेकर वहां उपस्थित थे। ज्यों ही उन्होंने उस दफ्तर में प्रवेश किया, उनकी छाती पर बंदूक लगाकर उन्हें गोली मार दी और उसके साथ-साथ जब उन्हें बचाने की कोशिश में उनके सुरक्षा गार्ड ने गोली चलाई..... **(व्यवधान)**

उपसभापति: मैंने अहलुवालिया जी को परमीशन दी है।

आप आराम से बैठिए, उनको बोलने दीजिए। वह बिहार के हैं। उन्होंने कल भी यह मसला उठाया था...**(व्यवधान)** It is a very serious matter that the life of a MLA is not safe in a Government office. What more can be serious? I am very sorry that the MLA died...*(Interruptions)*...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: महोदया, हेमंत साही को गोली मारी गई और उसके बाद मुजफ्फरपुर नर्सिंग होम में उनको ले जाया गया। वहां उनका तीन घंटे तक आपरेशन हुआ पर कल रात उनको वहां के डाक्टर, मेडिकल स्पैशलिस्ट्स जो हमने पटना से भेजे, उनको नहीं बचा सके और उन्होंने अपने प्राण छोड़ दिए।

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

महोदया, यह बहुत ही दुःखदायक घटना है कि एक एम०एल०ए० अपने एम०एल०ए० होस्टल में सुरक्षित नहीं है। जो गुंडे और अपराधी तत्व, जिनको आज पुलिस ढूंढ रही है, जो पुलिस के द्वारा वांटेड है डिफरेंट मर्डर और डकैती के केसेज़ में, वे एक सर्किल अफसर के दफ्तर में किस तरह अस्त्र-शस्त्र लेकर उपस्थित थे? क्या मुख्य मंत्री, बिहार को इन लोगों को संरक्षण नहीं देना चाहिए था?...**(व्यवधान)**

महोदया, लालू सरकार ने 1990 से लेकर आज तक 37 मुठभेड़ों में 37 गांवों में जो 37 कारनेज हुए उनमें हरिजनों, सवर्णों और ठाकुरों को मारा। कहीं जाति-भेद करे। पूरे के पूरे गांव जला दिए गए। सैकड़ों औरतों को विधवा बना दिया गया।... **(व्यवधान)** लालू सरकार के अत्याचार, अनाचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ मैं मांग करता हूं कि सरकार सी०बी०आई० की इंक्वायरी कराकर तुरंत लालू सरकार को बर्खास्त करे।... **(व्यवधान)**

महोदया, इतना ही नहीं, उसने विधान सभा के अंदर भी जो अपनी* फैला रखी है, स्पीकर ने 3 सदस्यों को निष्कासित किया। उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि उनको बहाल किया जाए। इसके बावजूद भी स्पीकर ने कहा कि मैं उनका आदेश नहीं मानता हूं। एक तरफ ये सड़क पर लड़ाई लड़ रहे हैं, दूसरी तरफ लेजिस्लेचर और जुडिशियरी में झगड़ा खड़ा कर रहे हैं। वहां पर हर आदमी जो लालू का समर्थक नहीं है, उसका जीना दूभर हो गया है। मैं आपसे, सदन से और पूरे भारतवर्ष के लोगों से मांग करता हूं कि बिहार के लोग जो लालू का समर्थन नहीं कर रहे हैं, वे मांग कर रहे हैं कि उनकी सरकार को बर्खास्त किया जाए और जो भी लोग इसमें सम्मिलित हैं, जिन्होंने यह मर्डर किया है अभी की जो घटना घटी है, उसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाए। मैं मांग करता हूं कि मैं तब तक शांत नहीं होऊंगा तब तक सरकार इस सदन में आकर इसके बारे में बयान न दे। मैं मांग करता हूं कि आज सदन उठने से पहले लालू सरकार के बारे में सरकार बयान दे।...**(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय: (उत्तर प्रदेश): लालू सरकार को तुरंत बर्खास्त किया जाए।... **(व्यवधान)**

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): We have seen enough of Laloo Yadav... *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you, Mr. Sinha. The lady has requested my permission.

श्रीमती प्रतिभा सिंह (बिहार): मैडम, यह घटना इस तरह से हुई है कि उसके बाद बिहार में खासकर यह प्वाइंट आउट करके जो गुरौल की घटना हुई है, जिस तरह से एम०एल०ए० की हत्या हुई है, उससे हम लोगों ने देख लिया है कि जिस तरह से बक्से ये बदलते हैं, इन्होंने वह बदलने नहीं दिया तो उनको जिस तरह से गोली मारी गई, उसके बाद किसी की जान व माल की क्या हिफाजत है। आज अगर गृह मंत्री जी स्टेटमेंट नहीं देते हैं तो हम लोग हाउस नहीं चलने देंगे...**(व्यवधान)**

श्रीमती प्रतिभा सिंह: हम विरोधी दल से भी मांग कर रहे हैं कि वह लोग हमारे साथ ऐसोशियेट करें... **(व्यवधान)**

उपसभापति: यशवंत सिन्हा जी आप बोलिए।

SHRIMATI PRATIBHA SINGH: We want that the Laloo Yadav Government should be dismissed immediately. Action should be taken against those officers under whose orders this has been done. There are people who possess arms, unlicensed arms. उनके पास लाइसेंस नहीं थे... **(व्यवधान)**

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): The ruling party is agitated. The Government should take it seriously.

उपसभापति: वह लोग पकड़े गए?... **(व्यवधान)**

श्रीमती प्रतिभा सिंह: हम चाहते हैं कि मंत्री महोदय आएं और हम लोगों को बताएं। हमारे बिहार में बहुत टेंशन है। वहां पर लोग ऐजिटेटेड हैं और इसके बारे में कोई दिक्कत होती है तो उसका जिम्मेवार कौन होगा? पंजाब को लेकर हम बोलते हैं। क्या बिहार की हालत पंजाब से अच्छी है? पंजाब में एक माहौल पैदा हो गया है। लोगों के दिमाग में वह छा गया है लेकिन बिहार का माहौल उससे ज्यादा खराब हो गया है।

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Madam Deputy Chairman, what is happening in Bihar is extremely painful and very sad: I was in Patna over the weekend and I am aware of the kind of tension which prevails in the whole State. There is a complete breakdown of the law and order machinery. This incident in Goraula which took place in the Block headquarters, in the Block office, is very shocking. You know, the place where this incident took place is a place where there is always an armed guard to look after the Block property and it is very, very sad that in this kind of a situation there should have been a shootout in which three people were killed instantly and the Congress-I MLA was so brutally injured and after that he was taken to the hospital, to a private nursing home, where he expired last night. It is very,

*Expunged as ordered by the Chair.

very sad that this kind of an incident should have occurred in a place where there is an armed picket posted. If this is the situation there, you can imagine what is happening in the rest of the State. There is an absolute breakdown of law and order. We discussed this matter when this session began and I remember that we all raised this massacre of Bara. The Minister of State for Home Affairs and Parliamentary Affairs is here. He had assured us that the Government would come out with a statement on the Bara massacre. I am very sorry to say that till date no statement, no information about any statement, from the Home Ministry is forthcoming. Now, the Home Minister had gone there. He was prevented from going to the village. The Minister of State for Home Affairs had gone there and he had visited the village. Till date we have had no statement from the Home Minister. This is an extraordinary situation. This massacre took place so many days ago and thirty-six people were killed in the most brutal fashion; the manner in which they were killed is totally inhuman. You do not kill even animals in that fashion. This is the state of affairs. There is a complete breakdown of the constitutional machinery. The Speaker is at loggerheads with the High Court. The Governor has given instructions. His instructions have been defied. And there is as such a complete breakdown of the constitutional machinery in the State. Therefore, I am getting up here. I am rising here, not only to express my sympathy with the deceased but also to demand and support the demand that the Home Minister must get the information. What has happened in Bihar is most extraordinary and, therefore, the Home Minister must get the information and come back to the House before we adjourn for the day and make a statement. We must know what exactly happened. We cannot let the situation go on. If this situation is allowed to go on, then, I as a Bihari will have to say that nobody, none of us, is safe in Bihar; none of us is safe. And if this is the way in which we are going to be treated, if this is the way in which political opponents will be liquidated, will be eliminated, then that will be the end of democracy in that very important part of this country.

THE DEPUTY CHARIMAN: Mr. Ashwani Kumar.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: You will allow only Biharis or you will allow others also!

THE DEPUTY CHARIMAN: I don't think Mr. Ashwani Kumar is from Bihar.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Let me also speak.

श्री अश्विनी कुमार (बिहार): माननीय उपसभापति महोदया, मेरे मित्रों ने सारा वर्णन कर दिया है कि किस तरह से कांग्रेस (आई) के एक एम०एल०ए० की हत्या हुई है, सरकारी दफ्तर में हुई है। मैं नम्र निवेदन करना चाहता हूं सारे सदन के सामने बिहार की स्थिति पर कि आज जो भी सरकार के पक्ष का नहीं है चाहे राजनीतिक कार्यकर्त्ता हो, एम०एल० ए० हो, एम०पी० हो, किसी के भी जीवन की सुरक्षा नहीं है। यह एक घटना है। इसी प्रकार पिछली जून में जे०-जे०पी० के एक भूतपूर्व सांसद जो कैंडीडेट था उसकी हत्या कर दी गई। मुख्य मंत्री ने एक दिन पहले अपने भाषण में कहा था कि मैं किसी भी विरोधी दल के एम०एल०ए० या एम०पी० को जीतने नहीं दूंगा और अगर वह जीत गया तो उसको दिल्ली तक नहीं पहुंचने दूंगा। मैं इतना ही कहूंगा कि ईश्वर चौधरी की घटना के बाद तीन महीने तक क्रिमिनल अरेस्ट नहीं हुआ। उन्होंने घोषणा की थी विधान सभा में कि वह एक लाख रुपया देंगे। वह भी नहीं दिया। यह जो नरसंहार का वर्णन किया गया उसके लिए भी घोषणा हुई थी कि 50-50 हजार रुपये देंगे लेकिन वह भी नहीं दिये गये। जो भी गैर जनता दल का राजनीतिक कार्यकर्त्ता है उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, बेइज्जत किया जाता है। मैं आपके सामने रांची (बिहार) का उदाहरण रखना चाहता हूं कि हमारे नगर अध्यक्ष को अरेस्ट किया गया, चाहे जिस कारण से किया हो, तीन दिन हवालात में रखा गया और लोगों को बुला-बुलाकर गाली उनको दिलवाई गई और उन पर थूका गया। और उस पुलिस अफसर पर कार्यवाही नहीं की गई।

तीसरी बात यह है कि जैसा अभी अहलुवालिया जी ने कहा, वाइस वोट से समर्थन करके तीन एम०एल०एज० की सदस्यता समाप्त कर दी गई। शायद मेरी जानकारी में भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। केवल एक बार एक घटना हुई थी, इंदिरा जी की सदस्यता समाप्त की गई थी। साल भर तक यह किस्सा चला था, उनको बोलने का अवसर दिया गया था। लेकिन जिस समय इन तीन सदस्यों की सदस्यता समाप्त की गई, उनमें से कोई भी सदन में

[श्री अश्विनी कुमार]

नहीं थी वाइस वोट से उनके सदस्यता समाप्त कर दी गई। उसके बाद हाई कोर्ट ने आर्डर दिया, गर्वनर ने आर्डर दिया, उसको मुख्य मंत्री सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। वहां पर लॉ एण्ड आर्डर समाप्त हो गया है, जंगल का राज हो गया है। हमारे मित्रों ने मांग की है कि होम मिनिस्टर स्टेटमेंट दें। मैं उनसे आगे नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि इनकी गंभीर स्थिति हो गई है, मैं होम मिनिस्टर से कहूंगा कि एक पार्लियामेंटरी डेलीगेशन वहां भेजें जो बिहार की सारी स्थिति का वर्णन करके यहां बताये। आपने उत्तर प्रदेश और राम जन्म भूमि के बारे में एक परंपरा प्रारंभ कर दी है। उसी प्रकार से आप बिहार के लिए भी करें।

श्री सुरेश कलमाडी (महाराष्ट्र): आप बायकाट तो नहीं करेंगे?

श्री अश्विनी कुमार: हम कहीं बायकाट नहीं करेंगे, आपका स्वागत करेंगे। आप उनको भी स्वागत करने दीजिये। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह जो राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ काम हो रहा है, यह वहां के क्रिमिनल गैंग्ज कर रहे हैं। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि बिहार के अंदर 27 माफिया गैंग्ज हैं जो चीफ मिनिस्टर साहब की हाट लाइन में हैं। पिछले दो वर्षों में 10 हजार अपहरण की घटनायें हुई हैं और अपहरणकर्ता पकड़े नहीं गये हैं। मुख्य मंत्री कहते हैं कि अपहरणकर्ता कुछ पैसा ही तो ले गये है, ऐसा हुआ तो क्या हुआ। उसके बाद उनको छोड़ दिया जाता है। आज इस प्रकार की भयंकर स्थिति बिहार की हो गई है। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि सदन में इस पर ध्यान दिया जाये और गृह मंत्री जी एक पार्लियामेंटरी कमेटी वहां भेजने की बात करें।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया, पांच सांसदों की एक टीम वहां गई थी। जिस तरह की घटना वहां हुई और जिस तरह से 35 लोगों को मार दिया गया है, वह बहुत ही खतरनाक और नृशंस घटना है। आज तक हिंदुस्तान के इतिहास में ऐसी घटना नहीं हुई होगी। वहां पर घरों को लूट लिया गया, उजाड़ दिया गया और बर्बाद कर दिया गया। लेकिन इसके बावजूद भी जो एफ०आई०आर० दर्ज की गई उस एफ०आई०आर० में जितने भी मुलजिम थे, सरकार ने उनको गिरफ्तार नहीं किया। इससे बढ़कर शर्मनाक बात और क्या हो सकती है। वहां पर एक लड़का जिसकी चार महीने पहले शादी हुई थी, मार दिया गया और उसकी दुल्हन विधवा हो गई। वहां पर विधवाओं का करुण क्रन्दन सुनकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। इसीलिए मेरी मांग है कि सरकार इस दिशा में तत्काल हस्तक्षेप करे और सदन में बयान दे कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा, बिहार सरकार के खिलाफ कार्यवाही होगी।

श्री सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश): मैडम यह केवल बिहार का इशू नहीं है। मुझे आप एक मिनट का समय दीजिये। श्री जवाहरलाल नेहरू ने एक बार कहा था कि फ्रीडम इज़ इन पैरिल, डिफेन्ड इट विथ आल माइट। मैं समझता हूं कि यह जो बात बिहार में हो रही है, यह पूरे देश से जुड़ी हुई है। आज डेमोक्रेसी इज़ इन पैरिल, डिफेन्ड इट विथ आल माइट। बिहार के मुख्य मंत्री जिस तरह से अपने प्रतिद्वंद्वियों को एक-एक करके राजनैतिक द्वेष और घृणा के अन्तर्गत खत्म कर रहे हैं, यह बड़ी शर्मनाक और लज्जा की घटना है। आज आप साधारण विधायक की बात तो छोड़ दीजिये, हमारी ही केन्द्र सरकार के एक भूतपूर्व मंत्री के लड़के को जो विधायक थे, काबिल विधायक थे, जनता के प्रतिनिधि थे, सामाजिक सेवक और सामाजिक कार्यकर्त्ता थे, पुलिस और गुण्डों से कोल्यूजन करके वहां के मुख्य मंत्री ने धोखा करके उनको थाने में बुला कर गोली से मार दिया और इस प्रकार से जघन्य हत्या कर दी गई। आज स्थिति यह है कि केवल बिहार की विधान सभा ही नहीं, देश की तमाम विधान सभायें खतरे में है, हमारा केन्द्र भी खतरे में है, हमारी लोक सभा और राज्य सभा भी खतरे में है। जनतंत्र और लोकतंत्र खतरे में हैं। मैं समझता हूं कि जिस प्रकार के अनाप-शनाप बयान वहां के मुख्य मंत्री दे रहे हैं उससे उनका मेन्टल केस बनता है। उस सरकार को तो वहां से हटाना ही चाहिए, उसके साथ-साथ श्री लालू प्रसाद यादव को जन हित में और हजारों लोगों की सुरक्षा के लिए मेन्टल असाइलम में भेजा जाये... **(व्यवधान)**।

उपसभापति: बड़ा गंभीर मामला है। दूसरे लोग भी कहना चाहते हैं... **(व्यवधान)**...

श्री सैयद सिब्ते रज़ी: मैं समझता हूं कि उनके जहनी तनाव और दिमाग की खराबी की वजह से लोकतंत्र का ढांचा जो है वह हिल जायेगा और उसके लिये हमें बहुत बड़ी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार): आपने बड़ी सही बात कही है कि इस देश में विधान बनाने वालों ने ऐसी व्यवस्था की थी कि अगर राज्य सरकार कहीं कमजोर हो जाये तो केन्द्र सरकार मजबूती से कदम उठाये। लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है कि इस देश का गृह मंत्री सूबे के अंदर जाकर उस जगह तक नहीं पहुंच पाया जहां उनको इन्कवायरी करनी थी। ऐसी हालत में बिहार के लोग क्या उम्मीद इस गृह मंत्री और इस सरकार से कर सकते हैं। वहां के लोग बिहार सरकार से तो वैसे ही निराश हो गये हैं लेकिन केन्द्र सरकार क्या कर रही है, यह बात समझ में नहीं आती। केन्द्र के गृह मंत्री वहां गये लेकिन उसका नतीजा क्या निकला? पिछले साल भर से बिहार में एम०पी० मारे जा रहे हैं, बिहार के विधायक मारे जा रहे हैं, बिहार के सांसद मारे जा रहे हैं और केन्द्र सरकार वोट की राजनीति में, अपनी जोड़-तोड़ की राजनीति में

सांठ-गांठ करके बिहार को खत्म किये दे रही है। मैं कहना चाहता हूं कि यह मामला सिर्फ बिहार की सरकार तक ही सीमित नहीं है, इस मामले में केन्द्र सरकार की भी जिम्मेदारी है। जो संविधान... **(व्यवधान)** ... इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की है या नही यह मैं जानना चाहता हूं? इस सदन में बार-बार मामला उठाया गया। बारा में जो घटना हुई, वहां मैं और श्री सत्य प्रकाश मालवीय खुद गये थे। वहां पर किस तरह से 36 लोगों की नृशंस हत्या की गयी यह सब को मालूम है। इस मामले में बार-बार यह आश्वासन सदन को दिया गया कि... **(व्यवधान)**... सदन में अपना बयान लेकर गृह मंत्री आयेंगे। लेकिन इस बारे में कोई जानकारी सदन को नहीं दी गयी ...**(व्यवधान)**...महोदया, मैं आपसे और आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या गृह मंत्री...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: प्लीज...**(व्यवधान)**...अभी दूसरे लोग भी कहेंगे।

श्री दिग्विजय सिंह: मैं जानना चाहूगा कि क्या गृह मंत्री आज शाम तक कोई ठोस बयान लेकर सदन में आयेंगे या नहीं, यह मैं उनसे पूछना चाहता हूं?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I speak for my party. I share the feelings of the House. Brutality cannot be condoned in whatever part of the country it happens. Barbarism cannot be allowed. Democracy must be allowed to function. This is unfortunate, extremely unfortunate, not because anybody has been killed but even if the person was not an MLA. A person is being killed in a Government office and a person is being killed in the presence of police men. *(Interruptions)*. This only indicates the complicity. And this is a danger signal. Therefore, Madam, we condemn murder. We want a thorough probe. We want the culprits to be apprehended. We want the cult of violence to be exterminated, liquidated. We want the political masters not to partronise criminalisation of politics, in whatever party. Criminalisation of politics by political masters has to end, in whatever form or shape or in whatever party it exists.

Madam, at the same time, I shall caution the Members: please do not raise the issue of the dismissal of the Government slightly...*(Interruptions)* So lightly. Please allow me to make my point. *(Interruptions)* Please allow me.

SHRI S.S. AHLUWALIA: What are you talking? *(Interruptions)* Either you demand or do not...*(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, our party had opposed the demand of the dismissal of Uttar Pradesh Government. In the same way I am against this slogan of dismissal. This dismissal at random is leading the country to a chaos. Let us, therefore, combine together to fight unitedly against the cult of violence and restore order in whatever part of the country.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): I wish to speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you to speak in the end.

SHRI S. JAIPAL REDDY: How many people from a party? *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute, please. There is no question of any Party in this matter. It is the question of a human life lost, and that too in a Government office. Otherwise, I never allow State matters to be raised. He was not only a Vidhayak but the son of a very respected former Member of this House. He was one of your colleagues. His son died in the Government office. Anybody dying anywhere is sad. We condemn it. But he died in a Government office. That is more sad. That is why I am allowing. I never allow a State matter on the floor. I never allow it until and unless it is extraordinary.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam Deputy Chairman, a few weeks ago, one of the Ministers of the Bihar Government, by name Hit Kesri, made a public statement that his life was in danger from the Chief Minister. Surprisingly, he is still a Minister of that Government.

AN HON. MEMBER: He has gone.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He has been removed. I do not know whether he is alive or not.

SHRI YASHWANT SINHA: He wrote to the Rashtrapati also.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He wrote to the Rashtrapati. He wrote to the Governor. From all that the Members have described here, from these various incidents, it is quite clear that there is a total breakdown of the Constitution as far as Bihar is concerned. And there is

[Shri Subramanian Swamy]

nothing for the Home Minister to say to this House except to come and say that President's Rule has been declared in Bihar.

डा० रत्नाकर पांडेय (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदया, बिहार में जो कुछ हो रहा है वह जनतंत्र के नाम पर एक कलंक है और असहनीय है। एक विधायक को, सांसद को जबरदस्ती घर से बुला कर, वैशाली के हेमंत साही जो वहां के विधायक हैं, गोराऊल ब्लाक में वहां पुलिस को मुख्य मंत्री ने निर्देश दिया, उनके गुंडों ने खड़े हो कर के गोली मरवाई है। गृह मंत्री जी आप इसकी जांच करा लीजिये। जो कुछ मैं कह रहा हूं वह सत्य निकलेगा। लालू प्रसाद यादव खुले आम कहते हैं कि बिहार में शासन करूंगा तो मैं करूंगा, यादवों का राज रहेगा। क्या राम नरेश यादव, यादव नहीं है, क्या ईश दत्त यादव, यादव नहीं है, पूरी यादव जाति को बदनाम कर रहा है वह आदमी और अपना शासन चला रहा है। जब माधेपुरा में राजीव गांधी पर चुनाव के पहले आक्रमण हुआ, चुनाव के दिनों में श्री लाल कृष्ण आडवाणी पर माधेपुरा में आक्रमण हुआ, अब बारा में 36 भूमिहरों को एक साथ कतल कर दिया गया, हेमंत साही भी भूमिहर थे। एक सोची समझी साजिश के तहत जो मिलिटेंट फोर्स जातियों के नाम पर बनी है उसको लालू प्रसाद यादव बढ़ावा दे रहे रहे हैं। अब तक 37 हत्याकांड हुए हैं। लालू प्रसाद यादव के आने के बाद 7000 आदमी बिहार में मारे गये है जनतंत्र के नाम पर। कल अहलुवालिया जी का जीवन सुरक्षित नहीं है, कल किसी का भी जीवन सुरक्षित नहीं है जितने भी बिहार के जनप्रतिनिधि हैं यदि वे लालू प्रसाद यादव की हां में हां नहीं मिलाते हैं, उन सब की जान को खतरा है। हेमंत साही की हत्या इसका उदाहरण है। इसलिए केन्द्रीय सरकार और हमारे डायनामिक होम मिनिस्टर साहब चुप न रहें। अभी पता चला है कि आज सवेरे फैजाबाद, अयोध्या में एक मस्जिद गिरा दी गई। एक ओर साम्प्रदायिक ताकतें, दूसरी और गुंडागर्दी वाली ताकतें और तीसरी ओर जबरदस्ती ला एंड आर्डर सिचुयेशन को अपने व्यक्तिगत स्वार्थ में कंट्रोल कर के गुंडा राज जंगली राज चलाने वाली लालू प्रसाद यादव सरकार को तत्काल भंग किया जाए। जनतंत्र में बहुमत का यह मतलब नहीं है कि खड़े हो कर के ब्रुटली हत्याएं करायेंगे। निश्चित रूप से सरकार को भंग किया जाए और सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भेज कर वहां से सच्चाई मंगा कर गृह मंत्री जी अपना स्टेटमेंट सदन में दें।

उपसभापति: आप बोल लीजिये **(व्यवधान)**

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam, it is a very serious matter. And it should not be treated so lightly when some Members demand that the Bihar Government should be dismissed by the Central Government over this issue. What is happening in Bihar is extremly tragic and sad. All of us are concerned about it that such a thing should happen in Bihar. And the Bihar Government should see to it that these things should not recur. And the Central Government should see to it that the Bihar Government institutes an inquiry and the culprits are properly punished. Madam, it is not only in Bihar, but in many other States also things are happening like that. Similar things, more gruesome incidents have taken place and are taking place. For that we never demand that the Government should be dismissed. Yesterday, in Tripura Assembly, some members were beaten up. That too is a serious issue but I do not demand that that Government should be pulled down. Beating up the MLAs in the Assembly is also a very serious matter...*(Interruptions)*. The Government should see that law and order machinery is put in order... *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, at the outset I must condole the death of the hon. legislator of Bihar. My heart goes out in sympathy to the bereaved family. On this count there cannot be any difference of opinion. Violence has to be condemned in every form irrespective of who practises it and where it is practised.

SHRI SYED SIBTEY RAZI: It is more in Bihar.

SHRI S. JAIPAL REDDY: We heard all the Members silently. I would only request the hon. Members of all parties not to get the issue mixed up. Reference has been made to Barah. Everybody knows that this carnage was committed by a particular group, the ultraleft group called MCC. If that is the criterion, the Government of Andhra Pradesh should be dismissed twice in a day...*(Interruptions)*.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया: ये क्या कम्पैरीजन करना चाहते हैं। लाल यादव की सरकार

मरवा रही है...(**व्यवधान**) शर्म आनी चाहिए..(**व्यवधान**) Madam, he is justifying it. What is he doing? Does he want to justify? *(Interruptions)*.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am not justifying the killings. *(Interruptions)*.

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): Mr. Ahluwalia, are you justifying what is happening in Andhra Pradesh? He is not justifying what is happening in Bihar. But are you justifying what is happening in Andhra Pradesh? *(Interruptions)*. A seniormost M.L.A. in the Congress Party in Andhra Pradesh complained to the Governor of Andhra Pradesh that his life is not safe, that his life is threatened by the Chief Minister of Andhra Pradesh...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please go back to your seats; I will handle it. I request Member to go back to their seats.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: अगर ये कम्पैरीजन की बात करते हैं तो यह बर्दाश्त नहीं होगी।

SHRI SIKANDER BAKHT (Madhya Pradesh): What is this? They are coming to the Well of the House

डा० रत्नाकर पांडेय: लालू यादव के एजेंट के रूप में बैठे हैं...(**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. Members are agitated. It is better that we concentrate on the person who died and not on what happened in other parts of the country. There are occasions when you can raise those things...*(Interruptions)*.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: There is law and order-breakdown in Andhra Pradesh as in other States...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: All of you, please take your seats. *(Interruptions)*

I said, take your seats. *(Interruptions)*

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: यह बिहार एम०एल०ए० की हत्या के बारे में मामला है और उसके लिए आप वकालत कर रहे हैं और उसको जस्टिफाई कर रहे हैं। आपको शर्म आनी चाहिए।...(**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, what about the verbal violence in this House? *(Interruptions)*

डा० रत्नाकर पांडेय: लीडर आफ अपोजीशन, राज्य सभा को नहीं बोलना चाहिए..(**व्यवधान**) दलों से ऊपर उठ कर बात हो रही है। इसलिए आपके जनता दल के नेता का अस्तित्व नहीं है। इसमें डेमोक्रेसी की हत्या हो रही है और आप उसको जस्टिफाई करना चाहते है।...(**व्यवधान**)

उपसभापति: पांडेय जी, आप बैठ जाइये।..... (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: It is unfortunate that my reference to the violence this is occurring in various parts of the country has been misconstrued...*(Interruptions)*

I heard you.

SHRI S.S. AHLUWALIA: We are talking about Bihar.

DR. RATNAKAR PANDEY: An MLA was killed in Bihar, not in some other part of the country. Come to Bihar. *(Interruptions)*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB): Mr. Jaipal Reddy, your reference was out of context. It was totally out of context. That was the reason.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No. Please hear me. *(Interruptions)*

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): The question of Bihar Government was brought in. But similar things are happening elsewhere also. *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let me clarify. *(Interruptions)*

Madam, what is this kind of language? What is this violence in the House? *(Interruptions)* What about the verbal violence in this House? *(Interruptions)*

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: विपक्ष के नेता को शर्म आनी चाहिए। यह एक शर्मनाक मुद्दा है जिसको यह हल्का बनाना चाहते हैं। यह विपक्ष के नेता बिहार में जो...(**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let me clarify. My intention was not to condone the totally inhuman incident that has occurred in Barah. I was only trying to put the problem in the perspective of violence that is taking place.....

SHRI S.S. AHLUWALIA: We are discussing a serious matter. You are

[Shri S.S. Ahluwalia]

putting a political clause. You are condoning. *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am not going to be bullied. *(Interruptions)* You cannot hold the House to ransom. *(Interruptions)*

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is a heinous murder. *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let me warn you. You will not be able to transact any Business in the House. I am warning you. *(Interruptions)* I heard you, silently, for a long time. I am not going to be bullied like this. Please take your seat. *(Interruptions)*

डा० रत्नाकर पाण्डेय: मैडम, भगवान न करे, अगर कल इनको आंध में गोली मार दी जाए और हम कांग्रेस सरकार इसका समर्थन करें, क्या यह अच्छी बात होगी, अपनी छाती पर हाथ रख कर कहिए।...**(व्यवधान)** बिहार सरकार को जस्टिफाई मत करें। बिहार सरकार ने एम०एल०ए० की हत्या करके जनतंत्र को कलंकित किया है, उसका खून बहाया है और आप उसका समर्थन कर रहे हैं।...**(व्यवधान)** आप जनता दल के विरोधी दल के प्रवक्ता के रूप में न बोलें।...**(व्यवधान)**

SHRI S. JAIPAL REDDY: We will not go out. This House belongs to us as much as to them. If they want to indulge in obstructionist tactics, I will tell them that they will be attracting similar retaliation from this side. I am warning you against it. We are not going to take it lying down. *(Interruptions)*

I am warning you.

SHRI YASHWANT SINHA: I would appeal to the House that this is a very tragic, very serious matter, let us discuss it in that human spirit. Let us not get divided on party lines on this. I would appeal to the Treasury Benches to please allow the Leader of the Opposition to have his say. He is probably being misunderstood. Let us hear him. If there is any point on which we feel agitated, we can raise it subsequently.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Sixty thousand people have been murdered in Punjab. Who is responsible? *(Interruptions)*.

SHRI N.K.P. SALVE (Maharashtra): We must listen to the Leader of the Opposition with all seriousness, there is no doubt about it, but I would urge upon him as the Leader of the Opposition with all the responsibility, that in view of the state of affairs of the law and order which Mr. Sinha himself referred to, as his personal experience in the matter, and if that is a matter of very great disquiet or concern, he should react to what another leader of the opposition has stated.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I thank Mr. Salve for the intervention. Madam, once again I reiterate that it was not my intention to condone or dilute the gravity of the incident that took place at Bara, but it cannot be perceived in isolation. It was committed by an ultra-Left group, we all know. Similar incidents are taking place in other parts of the country. May I draw the attention of the House to the incident that took place in Bhagalpur in Bihar where, in one communal incident more than 2000 people belonging to a minority community were killed?

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Again you are diluting.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: पिछले दो साल में 7 हजार लोगों की हत्या की गयी, 10 हजार से भी ज्यादा लोगों का अपहरण किया गया, फिरौतियां ली गयीं और कितने लोगों को...**(व्यवधान)**...उसकी बात करो।

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am drawing the attention to the Bhagalpur incident which occurred during the regime of Congress (I). *(Interruptions)*. You should hang your heads down in shame for what happened there? *(Interruptions)* What do these people know? *(Interruptions)*.

SHRI N.K.P. SALVE: We are out of power. *(Interruptions)*. Now are you willing to be out of power? *(Interruptions)*. What is this? This is very unfair. This is no way of making your point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: देखिए, यह मामला बहुत गंभीर है। एक इंसान की जिंदगी चली गयी, इसलिए पार्टी लेवल पर नहीं जाकर.... **(व्यवधान)**...प्लीज, पार्टी लेवल पर नहीं जाकर, क्या हुआ पास्ट में मैं अपोजीशन के लीडर से भी रिक्वेस्ट करूंगी कि अभी—

Already we have taken 45 minutes on this. I have other business also before me. I have to finish this. So, please brief.

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल (उत्तर प्रदेश): वहां पर 4 लोग मरे हैं, एक आदमी नहीं मरा है। एम० एल० ए० मरा है तो सेक्युरिटी के

लोग भी मरे हैं। उनकी बातें क्यों नहीं करते?... (व्यवधान)... उन तीन सेक्युरिटी के लोगों का जिक्र तक नहीं किया, जो इससे पहले मारे गए वहां पर। किसने मारा उन लोगों को आप बताइए... (व्यवधान)...*

श्री सुरेन्द्रजीत अहलुवालिया: गड़े मुर्दे उखाड़ना हमें भी आता है...(व्यवधान)... वहां एम०एल०ए० सुरक्षित नहीं हैं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is over. I am not permitting anything...*(Interruptions)*... Mr. Ahluwalia, you have made enough points. Now I am not permitting anything. Please sit down. ...*(Interruptions)*... No, I am not permitting...*(Interruptions)*... No, I am not permitting anything now, please ...*(Interruptions)*... I am not permitting any more.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, comming to the present incident, we are all sorry, we share their profound grief that an MLA was killed, but will you also kindly...*(Interruptions)*...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam... *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please listen to him.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: There must be a limit to this**

SHRI SIKANDER BAKHT: Absolute**

SHRI MENTAY PADMANABHAM: You have identified Mr. Jaipal Reddy. Is he allowed to speak in his own way or is he allowed to be disturbed every moment?... *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, please sit down...*(Interruptions)*... is unparliamentary. It should not go on record...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, you may go through all the unparliamentary expressions used in the records.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will look into the unparliamentary expressions; I will go through the record and see that which is unparliamentary will not go on record.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Okay, Madam. Now I am surprised, Madam, that none of the hon. members who referred to this incident, including my senior college, Mr. yashwant Sinha, and Mr. Ashwani Kumar, was good enough to refer to the death of three other persons who were killed from the other side...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no please...*(Interruptions)*... If you allow people to die, we condemn that also...*(Interruptions)*... If three other people were killed, we condemn that also...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Jal Mangal Rai. Arun Rai. Raghubir Sawhney were killed and Jialal Yadav was seriously injured. These three were killed on the spot and another person was seriously injured. This incident took place on account of firing from both the directions. I am not justifying the firing nor any I justifying the incident. This incident needs to be probed, and whoever is guilty, on either side, must be punished. But this incident should not be utilized to unleash tyranny. ...*(Interruptions)*...

SHRI N.K.P. SALVE: If there is a breakdown of law and order, it has something to do with... *(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: In Tsunduru in Andhra, 22 Harijans were killed. ...*(Interruptions)*... I come from Andhra you know. ...*(Interruptions)*...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Why are you allergic to Andhra?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: (Tamil Nadu): You are discussing Andhra now. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Now, please. ...*(Interruptions)*... I request the hon. Members not to politicize the issue. If there is one Government in the country. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is politics of murder. Our Congress MLA dies and...*(Interruptions)*...

*[ ] Transliteration in Arabic Script.
**Expunged as ordered by the Chair.

SHRI S.S. AHLUWALIA: He is advocating for laloo Yadav. Same! You should feel ashamed. ...*(Interruptions)*...

डा० रत्नाकर पाण्डेय: यह लालू यादव के केबिनेट के मिनिस्टर की तरह से बोल रहे हैं, इनको लीडर आफ आपोजीशन की तरह बोलना चाहिए। यह लालू यादव के (व्यवधान)

उपसभापति: पाण्डेय जी, बैठिये। (व्यवधान) प्लीज़। (व्यवधान) पाण्डेय जी, आप बैठ जाइए। (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: इस सर्वोच्च सदन के लीडर आफ आपोजीशन लालू यादव के समर्थक के रूप में बोल रहे हैं, लीडर आफ आपोजीशन के रूप में नहीं बोल रहे हैं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please...*(Interruptions)*...

SHRI S.K.T. RAMACHANDRAN: (Tamil Nadu): What is your reaction to it?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ramachandran, please sit down. ...*(Interruptions)*... Mr. Ramachandran, I request you not to speak because you speak something which does not create a reaction on this side but creates a reaction on the other side because you are... *(Interruptions)*...

SHRI S.K.T. RAMACHANDRAN: I want to give trenchant proof. I don't want to provoke, I don't want any reaction. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, Bihar has been a problem State, a violence-prone State. This has to be understood. I don't think that credit or discredit for what is happening or what has been happening in Bihar for the last 20 years could be apportioned in a simplistic way. I request the Members not to politicise the issue. This must be dealt with on its own merit.

डा० रत्नाकर पाण्डेय: ...(व्यवधान) कुछ समझ में नहीं आया कि आप क्या कहना चाहते हैं। क्यों कंफ्यूज करते हैं आप।

You [illegible]fused. You are provoked. You an[illegible]ding for that *What do you want to say as the Leader of the Opposition?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, I have to call the Home Minister. He wants to say something. I have other listed business. I have got some listed business. I cannot go on like this...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Home Minister knows fully well that law and order is a State subject. All the parties, more particularly the Congress and the BJP, which got a drubbing at the last Lok Sabha polls, have been conspiring to throw out the Laloo Prasad Yadav Government.

SOME HON. MEMBERS: No...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is over. Now Mr. Home Minister. Do you want to say something? Let the Home Minister say something. I have some other business. I cannot allow this matter to go on indefinitely. I have to allow the Home Minister to say something, and than I will finish with it. I have other business. I cannot allow you indefinitely.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No

THE DEPUTY CHAIRMAN: You may be the Leader of the opposition, but there is a limit to everything.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I will not take more than a couple of minutes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have taken enough time.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, no. *(Interruptions)*

If this campaign of calumny has been unleashed as a part of the Congress and the BJP conspiracy to topple the Government of Bihar, we are here to accept your challenge. You dismiss the Government. I dare the Prime Minister. I dare the Home Minister...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Home Minister. होम मिनिस्टर कुछ कह रहे हैं। होम मिनिस्टर कुछ कहना चाहते हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): लालू प्रसाद के बारे में आपने जितनी भी बातें कहीं...(व्यवधान) आप जीते हैं गुंडागर्दी से जीते हैं। आप गुंडागर्दी से जीते हैं, ईमानदारी से नहीं जीते।

उपसभापति: होम मिनिस्टर साहब। माथुर साहब, बैठिए।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): Madam, it is very unfortunate.

SHRI S. JAIPAL REDDY: According to the Congress and the BJP, all person belonging to backward castes are *goondas*. In the dictionary of the Congress and the BJP, people belonging to backward castes are *goondas*. That is the meaning that "*goonda*" has in the dictionary of the Congress and the BJP. Mr. Laloo Yadav is a leader of the weaker sections. In the lexicon of the Congress (I) and the BJP those who belong to backward castes are *goondas*.

उपसभापति: बैठिए-बैठिए Please, your leader is on his legs. —I have called the Home Minister. बोलिए होम मिनिस्टर साहब। होम मिनिस्टर साहब बोलिए।

SHRI S. B. CHAVAN: Mr. Deputy Chairman, it is very unfortunate that an incident like the one which has happended, has taken place, in which one of the MLAs has been shor dead in the office of the Bihar Government. *(Interruptions)*

It is also equally unfortunate that my good friend, the Leader of the Opposition , Mr. Jaipal Reddy, should utilise this occasion for saying that there is some collusion between the Congress and BJP to throw out the Laloo Prasad Government. I strongly repudiate this charge which he is making. I can assure him that we never indulge in this kind of a thing.

I am prepared to make a statement after I succeed in getting the information. For half-an-hour I have been trying to get in touch with the Chief Minister of Bihar. He is ...*(Interruptions)*. You get the information and I don't get. This is an unfortunate incident. That is why...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, please. I am not permitting. Hon. Members, I remind them that I am not permitting anybody to interrupt the Leader of the House. *(Interruptions)* No. please, sit down *(Interruptions)* I am not permitting. Anybody speaking, except the Home Minister, will not go on record. *(Interruptions)* Nothing, except what the Home Minister says will go on record.

SHRI S. B. CHAVAN: I will try my level best to get the information, because I must have the versions of the State Government in this matter, but why are you trying to mix up these issues? Already things are really not good in Bihar. I know that very well. *(Interruptions)* I don't think that my merely saying that it is a chronic case, for 20 years you have been indulging in this kind of a thing, you cannot get out of it ...*(Interruptions)*. If anything is proved against the Government of Bihar in this and if there is any kind of complicity, then we will draw our own conclusions as to what needs to be done. *(Interruptions)*

SHRI MENTAY PADMANABHAM*:

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing, except what the Home Minister has said, will go on record.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Home Minister, will you kindly yield? Are you holding out a threat?

SHRI N.K.P. SALVE: He said: we will draw our own conclusions. *(Interruptions)*

SHRI MENTAY PADMANABHAM*:

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. What Mr. Mentay has said is not going on record. I am not permitting him. *(Interruptions)*. Nothing is going on record. *(Interruptions)* Now that matter is closed. I have to take the Statutory Resolution and the Indian Red Cross Society. (Amendment) Bill.

---

*Not recorded.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): महोदया, उत्तर प्रदेश मे भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव और उनके समर्थकों को जिस तरह गिरफ्तार किया गया..(**व्यवधान**)वहां पर मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है...(**व्यवधान**)

RE: RESIGNATION OF MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Madam, the Parliament is in session. The Foreign Minister has resigned and we are not told about it. *(Interruptions)* Is it true that the Foreign Minister has resigned? We must be taken to confidence.*(Interruptions)*

SHRI PRAMOD MAHAJAN (Maharashtra): We want to know whether the Foreign Minister has resigned or not...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Let the Leader of the House tell us. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't know. I have to ask the Minister. *(Interruptions)* Members want to know if the Foreign Minister has resigned.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI S.B. CHAVAN): May I inform the House through you, Madam, that the External Affairs Minister, Mr. Madhavsinh Solanik has tendered his resignation to the Prime Minister.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: We would like to know whether the Prime Minister has accepted the resignation or it is just a sham resignations. *(Interruptions)*

1.00 P.M.

SHRI SIKANDER BAKHT (Madhya pradesh): the question is not...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: What do you want to raise?

SHRI SIKANDER BAKHT: The resignation of the External Affairs Minister. It confirms the complicity of the Government that they are trying to tone. down...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. We cannot start a discussion.

श्री सिकन्दर बख्त: मैडम, मैं कहना चाहता हूं कि ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर साहब के रिजिगनेशन से एक ही बात साबित होती है कि हिन्दुस्तान की सरकार इस कांप्लीसिटी में मुब्तिला है कि बोफोर्स के संबंध में इंवेस्टिगेशन को स्लो-डाउन करा दिया जाए। ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर साहब के रिजिगनेशन से यह बात खत्म नहीं होती है। सवाल यह पैदा होता है कि बोफोर्स की इंवेस्टिगेशन को रोकने की कोशिश की जा रही है। यह बात ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स साहब के रिजिगनेशन से खत्म नहीं होती है बल्कि अपोजिशन का यह चार्ज की बोफोर्स के मामले में इंवेस्टिगेशन के रास्ते में रूकावटें डाली जा रही हैं, यह बात ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर साहब के रिजिगनेशन से पूरी तरह साबित हो जाती है कि रूकावटें डाली जा रही थीं। ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर साहब ने इसी किस्म का एक कदम उठाया जिसकी वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। सवाल सिर्फ ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर के इस्तीफे का नहीं है, सरकार को इस इलजाम को कबूल करने का है और सरकार अपने लिए इस इलजाम को कुबूल करने के बाद क्या सजा मुकर्रर करती है?

महोदया, मुझे एक बात और कहनी है.....(**व्यवधान**)

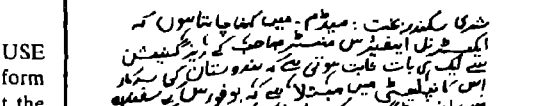

उपसभापति: आप तशरीफ रखिए एक मिनट जरा तशरीफ रखिए, मैं आपकी बात को सुन लूंगी प्लीज, प्लीज। कल ऐक्सटर्नल ऐफेयर्स मिनिस्टर साहब ने यहां बयान दिया। आप लोगों ने क्लैरिफिकेशन भी पूछे।